vinetur

ब्रिटेन की शराब उत्पाद शुल्क से होने वाली आय घटी क्योंकि शराब की बिक्री कमजोर पड़ी।

व्यापार समूहों ने शराब राजस्व में 2.3% की गिरावट के लिए उच्च करों को दोषी ठहराया और मंत्रियों से शुल्क प्रणाली पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया।

गुरुवार, 23 अप्रैल 2026



ब्रिटिश सरकार ने 2025/26 में शराब कर से कम राजस्व जुटाया, जिसमें स्पिरिट्स को सबसे बड़ा झटका लगा क्योंकि उच्च करों ने इस श्रेणी में बिक्री और राजस्व पर दबाव बनाए रखा।

हिस मेजेस्टीज़ रेवेन्यू एंड कस्टम्स के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष शराब उत्पाद शुल्क से प्राप्त राजस्व 1.4% घटकर £12.4 बिलियन रह गया। स्पिरिट्स का राजस्व 2.3% गिरकर £4.06 बिलियन हो गया, जो 2024/25 में £4.15 बिलियन से £94 मिलियन कम है। वाइन राजस्व में भी गिरावट आई, जो 2% घटकर £4.63 बिलियन हो गया, जबकि बीयर 1.9% गिरकर £3.54 बिलियन पर आ गया। साइडर एकमात्र प्रमुख श्रेणी थी जिसमें बड़ी वृद्धि दर्ज की गई, जो एक बहुत छोटे आधार से 33.5% बढ़कर £295 मिलियन हो गई।

स्पिरिट्स राजस्व में यह गिरावट कर में कई बढ़ोतरी के बाद आई है, जिसके बारे में व्यापार समूहों का कहना है कि इसने कीमतें बढ़ाई हैं और मांग को कमजोर किया है। अगस्त 2023 में स्पिरिट्स पर शुल्क रिकॉर्ड 10.1% बढ़ा, और तब से यह खुदरा मूल्य सूचकांक के अनुरूप हर साल बढ़ा है। आरपीआई के लगभग 3.66% होने के साथ, 37.5% एबीवी वाली जिन की एक बोतल पर शुल्क 1 फरवरी, 2026 को 38p बढ़ गया।

स्कॉच व्हिस्की एसोसिएशन, वाइन एंड स्पिरिट ट्रेड एसोसिएशन और जिन गिल्ड सहित आठ व्यापार निकायों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि पिछले तीन वर्षों में स्पिरिट्स ड्यूटी में 17% की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि 2023 में जब वर्तमान शराब ड्यूटी प्रणाली पेश की गई थी, तब की गई भविष्यवाणी की तुलना में राजस्व £1.1 बिलियन कम रहा।

समूहों ने तर्क दिया कि कर व्यवस्था ने पूरे क्षेत्र में निवेश और रोजगार को नुकसान पहुँचाया है और कहा कि अब ट्रेजरी के लिए अपने दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करने का समय आ गया है। उन्होंने सरकार से शरदकालीन बजट से पहले नई शुल्क प्रणाली की समीक्षा को यथासंभव व्यापक बनाने का भी आग्रह किया।

वाइन एंड स्पिरिट ट्रेड एसोसिएशन के मुख्य कार्यकारी माइल्स बील ने कहा कि वाइन और स्पिरिट पीने वाले उत्पाद शुल्क की सबसे ऊंची दरें चुकाते हैं और सभी शराब उत्पाद शुल्क राजस्व का लगभग 70% हिस्सा उनके हिस्से आता है, फिर भी उन्हें ब्रिटेन की दंडात्मक प्रणाली से सबसे ज्यादा झटका लगा है। उन्होंने कहा कि 2024/25 की तुलना में 2025/26 में वाइन और स्पिरिट पर संयुक्त शुल्क £188 मिलियन कम था, और उन्होंने यह भी कहा कि बढ़ती शुल्क दरें स्पष्ट रूप से उपभोक्ता मांग को कम कर रही थीं।

ये आंकड़े ऐसे समय में सामने आए हैं जब पब और बार उच्च परिचालन लागत और उपभोक्ताओं द्वारा कम खर्च किए जाने के कारण दबाव का सामना कर रहे हैं। उद्योग समूहों का तर्क है कि प्रीमियम स्पिरिट्स आतिथ्य स्थलों में लाभप्रदता के लिए महत्वपूर्ण बनी हुई हैं, भले ही पीने वाले अधिक मूल्य-संवेदनशील होते जा रहे हैं।

2023 में पेश की गई ड्राफ्ट राहत से बीयर को लाभ हुआ, लेकिन ऑफ-ट्रेड बीयर को अभी भी उच्च शुल्क लागत का सामना करना पड़ा। एचएमआरसी के नवीनतम आंकड़ों से पता चला है कि कुल मिलाकर शराब शुल्क से होने वाली आय वर्तमान कर परिवर्तनों से पहले देखे गए स्तरों से काफी ऊपर बनी हुई है, भले ही विकास दर धीमी हो गई है और कुछ श्रेणियों में गिरावट शुरू हो गई है।

व्यापार संघों ने छोटे उत्पादकों को राहत स्पिरिट्स निर्माताओं तक बढ़ाने का भी आह्वान किया है। वर्तमान में, यह कम-शुल्क योजना केवल 8.5% ABV से कम वाले मादक उत्पादों पर लागू होती है, जिससे अधिकांश स्पिरिट्स उत्पादक इसके दायरे से बाहर रह जाते हैं।

नवीनतम राजस्व आंकड़े मंत्रियों पर एक और बजट चक्र की तैयारी के बीच नया दबाव डालते हैं और वे इस बात पर विचार कर रहे हैं कि क्या और कर वृद्धि ब्रिटेन के वाइन और स्पिरिट्स बाजार में शराब की बिक्री में मंदी को और गहरा कर सकती है।